यांत्रिक सवारी एवं मालडिब्बा विभाग, विजयवाड़ा मंडल के मुख्यांश

- विविध कॉंटैक्टों को सम्मिलित करने से और मैनपॉवर के अनुकूलन के जरिए व्यय नियंत्रण की ओर सभी चालू कांटैक्टों की गंभीर रूप से समीक्षा की गयी है. इस अध्ययन से, 21-22 से सालाना 1.76 करोड़ की बचत प्राप्त की जा सकती है.

- काकीनाडा में स्वचालित कोच वाशिंग प्लांट लगाया गया और दिनांक 17.12.2020 को चालू किया गया, जिसे पर्यावरण निधि के तहत् मंजूर किया गया था. इससे एक वर्ष में 17,739 लीटर ताजे पानी की बचत होगी.

- वैगन डिपो/विजयवाड़ा में एलएचबी कोच के एयर ब्रेक वर्किंग मॉडल को परिवर्धन किया गया और विभागीय रूप से चालू किया गया है. यह एलएचबी कोचों में एन-रूट मुसीबतों में तेजी से ट्रबल शूट करने के लिए और एलएचबी कोचों में विभिन्न एयर ब्रेक पुर्जों के परीक्षण के लिए मवारी व मालडिब्बा कर्मचारियों और कर्मीदल/स्टेशन कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने में बहुत सहायकमंद है.

- एन-रूट कोच डिटेचमेंट को अधिक से अधिक कम करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं. विजयवाड़ा मंडल के सभी सवमाडि पाइंट जैसे कि विजयवाड़ा, राजमंड्री, बिट्रगुंटा, ओंगोल और गूडूर पर आईसीएफ कोचों में टूटे हुए बोल्ट स्प्रिंगों को सीटू में बदला जा रहा है. (2019-20: 37 कोच, 2020-21: 02 कोच).

- सवमाडि एनरूट स्टेशनों पर पूर्ण लंबाई वाले बाईपास पाइप, एयर स्प्रिंगों के लिए फ्लेक्सिबल होस पाइप, लोअर कंट्रोल आर्म, डमी प्लग और इसके बंधन जैसे महत्वपूर्ण पुर्जों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है. कर्मचारियों को उचित प्रशिक्षण के माध्यम उपरोक्त सामग्रियों को रखने से, कोचिंग गाडियों के अवरोध और डिटेचमेंट से बचा जा रहा है. एलएचबी कोचों के एफआईबीए पाइप लाइन में डमी प्लग के प्रावधान द्वारा मंडल में सिक्स थ्रू पासिंग गाड़ियों के गति 60 किमी/घं से 110 किमी/घं तक बढ़ा दी गयी.

- सभी कोचों को जैव-शौचालयों से सुसज्जित किया गया है और `पी ' ट्राप से` एस' ट्राप में परिवर्तित कर दिया गया है जो कोच और ट्रैक/प्लेटफ़ॉर्म परिसर में शौचालय की स्वच्छ स्थिति में सुधार करता है.

- सभी कोचिंग डिपो में मशीनीकृत कोच सफाई ठेके को बाह्यश्रोत के माध्यम से प्रदान किया जाता है. इस गतिविधि के द्वारा, सभी कोचों की गहन सफाई की जा रही है और स्टेनलेस स्टील के सामान चमकाई की जा रही है परिणामस्वरूप कोचों में बेहतर सफाई हो रही है.

- कोचिंग डिपो/विजयवाड़ा, काकिनाडा पोर्ट और वैगन डिपो/विजयवाडा में कम्प्यूटरीकृत सिंगल कार टेस्ट रिग को प्रारंभ किया गया था. इससे कोच और वैगन के एयर ब्रेक परीक्षण में सुधार किया गया है, विश्वसनीयता में भी वृद्धि हुई है.

- बीओएक्सएनएचएल वैगनों के साथ **30** सीसी रेक मंडल में बनाए गए हैं और इन्हें अमरावती नाम दिया गया है. **522** वैगनों में गहन मरम्मत करके, सीसी फिट के लिए पीआर/एंड टू से एंड रेक को परिवर्तित करके **09** सीसी रेक बनाए गए हैं.

- जनवरी -**21** तक **570** वैगन सिंगल पाइप से ट्विन पाइप में परिवर्तित हो गए और वैगन डिपो/विजयवाड़ा में कार्य प्रगति में है. यह काम रोलिंग स्टॉक कार्यक्रम के माध्यम से किया जा रहा है. विजयवाड़ा मंडल के लिए लक्ष्य **2400** वैगन है. यह वैगनों में ब्रेक रिलीज तेजी से में मदद करेगा.

- एमएस स्क्रैप के **614.4** मेट्रिक टन को जनवरी -**21** तक निपटाया गया है जो **437.5** एमटी के आनुपातिक लक्ष्य से **40%** अधिक है. इससे रेलवे को धन मिलेगा ही साथ ही डिपो परिसर भी साफ सुथरा दिखेगा.

- दिनांक 12.12.2020 को वैगन डिपो/विजयवाड़ा में रोलिंग स्टॉक के तहत् बीसीएनएचएल दरवाजे के रेट्रो-फिटमेंट के कार्यक्रम शुरू किया गया.वैगनों की सुरक्षा में सुधार के लिए बीसीएनएचएल वैगनों के 3 वीं पीढ़ी के दरवाजें दो भाग स्लाइडिंग दरवाजे के साथ रेट्रो-फिट किया हुआ बनाए जा रहे हैं. 450 बीसीएनएचएल दरवाजे के रेट्रो-फिटमेंट काम आउटसोर्सिंग दिया गया था और जनवरी -21 तक 53 बीसीएनएचएल वैगन दरवाजे रेट्रो-फिट किए गए हैं.

- लक्ष्य की तुलना में इस वर्ष में वैगन डिपो / विजयवाड़ा में वैगनों के सामान्य ओवर हालिंग (आरओएच) पर ध्यान देकर 1% की वृद्धि की गई है. (आनुपातिक लक्ष्य - 2750 वैगन, वास्तविक आरओएच (ROH) एटेंशन - 2798 वैगन)

- रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुसार, सभी ब्रेक डाउन यूनिट, अर्थात् एआरटी /राजमंड्री, बिट्रगुंटा, एमआरवी/विजयवाड़ा, राजमंड्री, बिट्रगुंटा, एसपीएआरटी/विजयवाड़ा और 140-टन क्रेन/विजयवाड़ा में जीपीएस प्रणाली के साथ स्थापित किया गया है और रेल नेत्रा के साथ एकीकृत किया गया है, जो अपने स्थानों की लाइव निगरानी के लिए कामन प्लेटफार्म है.

- पूरे विजयवाड़ा मंडल के विभिन्न माल परीक्षा यार्डों में सोडियम हाइपो क्लोराइड स्प्रे के साथ मालबाढ़ा गाडियों के 40527 ब्रेक वैनों को साफ किया गया है. इसके जरिए ब्रेक वैन के सैनिटाइजेशन स्तरों में सुधार से गार्डों के आत्मविश्वास को बढ़ाया है. यह गतिविधि दैनिक आधार पर जारी है.

- सवारी व मालडिब्बा के कर्मचारियों को वितरित करने के लिए काकिनाडा पोर्ट और विजयवाड़ा के डिपो में एन-95 फैबरिक के साथ 31675 मास्क को विभागीय रूप से सिलवाया गया था जो कि क्षेत्रीय स्तर सबसे अधिक है. गुंतकल मंडल को कुल 1000 मास्क और अन्य विभागों को 1100 मास्क दिए गए हैं. हाउस में कुल 20650 मास्कों का उपयोग किया गया है और 11025 मास्क ऑन हैंड पर हैं.